



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 191] नई दिल्ली, सोमवार, मई 1, 1995/वैशाख 11, 1917
No. 191] NEW DELHI, MONDAY, MAY 1, 1995/VAISAKHA 11, 1917

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

स्थापक नियंत्रण ब्यूरो

अधिमूचना

नई दिल्ली, 1 मई, 1995

सा.का.ति. 372(अ).—केन्द्रीय सरकार, स्थापक अधिपति और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (1985 का 61) की धारा 9क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्थापक अधिपति और मनःप्रभावी पदार्थ (नियोजित पदार्थ का विनियमन) अधिदेश, 1993 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थातः—

1. उक्त आदेश में, —

(क) पैरा 5 के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जायेगा:—

“5 नियंत्रित पदार्थ का विक्रय:—कोई व्यक्ति जो किसी श्रेता को सव्यवहार में, नियंत्रित पदार्थ का विक्रय करता है ऐसा विक्रय केवल तभी करेगा जब श्रेता ने किसी विशिष्ट अश्लील औद्योगिक अनुज्ञापन या किसी रजिस्ट्रिकरण प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेजों को या किसी अन्य समरूप दस्तावेजों को जो उसकी पहचान को साबित करता है पेश करके अपनी पहचान साबित की है और उस प्रयोगन की जिसके लिये नियंत्रित पदार्थ का क्रय किया जा रहा है घोषणा की है।

(ख) “उपनिर्देशक” शब्दों के स्थान पर जहाँ-जहाँ या उक्त आदेश में संलग्न प्रारूपों में दर्शाते किया गया है, “जोन निर्देशक” शब्द रखे जायेंगे।

(ग) उक्त आदेश में संलग्न प्रारूप 4 और प्रारूप 5 में ‘वह क्षेत्र जिसके भीतर विनिर्माता, विक्रेता, वितरक, आयातकर्ता या निर्यातकर्ता का अधिकारी या स्थापित है’ में संबंधित स्तंभ 2 में क्रम संख्यांक 2 के सामने ‘राजस्थान राज्य’ शब्दों के स्थान पर ‘राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्य’ शब्द रखे जायेंगे।

(घ) उक्त आदेश में संलग्न प्रारूप 4 और प्रारूप 5 में ‘वह क्षेत्र जिसके भीतर विनिर्माता, विक्रेता, वितरक, आयातकर्ता या निर्यातकर्ता का अधिकारी या स्थापित है’ में संबंधित स्तंभ 2 में क्रम संख्यांक 5 के सामने की प्रार्षाष्ट में से ‘मध्य प्रदेश’ शब्दों के स्थान पर ‘मध्य प्रदेश और गुजरात राज्य’ शब्दों का जोड़ा किया जायेगा।

[का. सं. 1/101/94-एन. सी. बी. (कार्ड)]

ए. के. श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

टिप्पण.—मूल आदेश, भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में सा. का. नि. सं. 295(घ), तारीख 24 मार्च, 1993 के रूप में प्रकाशित किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Deptt. of Revenue)

Narcotics Control Bureau

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st May, 1995

G.S.R. 372(E).—In exercise of the powers conferred by section 9A of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (61 of 1985), the

Central Government hereby makes the following amendment to the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (Regulation of Controlled Substance) Order, 1993, namely :—

1. In the said order,—

(a) for paragraph 5, the following shall be substituted :—

“5. Selling of controlled substance.—Every person who sells a controlled substance to a buyer in any transaction shall sell so only after the buyer establishes his identity by production of a document like industrial licence or any registration certificate under any law or any other similar documents which establishes his identity and upon a declaration being made of the purpose for which the controlled substance is being purchased.”

(b) for the words ‘Deputy Director’ wherever shown or the Forms appended to the said Order, the words ‘Zonal Director’, shall be substituted.

(c) in Form 4 and Form 5, appended to the said Order, in Col. 2 relating to “Area within which the office or establishment of the manufacturer, seller, distributor, importer or exporter falls”, against Sl. No. 2, for the words ‘State of Rajasthan’ the words ‘States of Rajasthan and Madhya Pradesh’ shall be substituted.

(d) in Form 4 and Form 5, appended to the said Order, in Col. 2 relating to “Area within which the officer or establishment of the manufacturer, seller, distributor, importer or exporter falls”, for the entry against Sl. No. 5, the words ‘Madhya Pradesh’ shall be deleted.

[F. No. 1/101/94-NCB(COORD)]

A. K. SRIVASTAVA, Jt. Secy.

Foot Note :—The Principal Order was published as G.S.R. No. 295(E) dated 24th March, 1993 in Gazette of India under Part II, Section 3, Sub-Section (i).

